

प्रेषक,

एम0 एच0 खान,
सचिव एवं आयुक्त,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,
समाज कल्याण उत्तराखण्ड,
हल्द्वानी, नैनीताल।

समाज कल्याण अनुभाग-2

देहरादून : दिनांक 11 मई 2011

विषय:- रुड़की जनपद हरिद्वार में संचालित मान्यता प्राप्त प्राविधिक शिक्षण संस्था महिला कला केन्द्र के वर्ष 2011-12 के अनुदान हेतु वित्तीय स्वीकृति के सम्बन्ध में।

महोदय,

कृपया वित्त विभाग, उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या : 209/XXVII(1)/2011 दिनांक 31 मार्च, 2011 की ओर आपका ध्यान आकृष्ट करते हुये मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि रुड़की जनपद हरिद्वार में संचालित मान्यता प्राप्त प्राविधिक शिक्षण संस्था महिला कला केन्द्र के कर्मचारियों के वेतन आदि के भुगतान हेतु चालू वित्तीय वर्ष 2011-12 में अनुदान संख्या-15 के आयोजनेत्तर पक्ष में प्राविधानित धनराशि रु0 6.00 लाख में से रु0 3.00 लाख (रुपये तीन लाख मात्र) की धनराशि निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन आपके निर्वर्तन पर रखते हुये व्यय किये जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

1. अनुदान के अन्तर्गत होने वाले सम्भावित व्यय की फेजिंग (त्रैमास के आधार पर) अनिवार्य रूप से शासन को उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जाए, जिससे राज्य स्तर पर कैशपलों निर्धारित किये जाने में किसी प्रकार की कठिनाई न उत्पन्न हो। धनराशि का आहरण एवं व्यय वास्तविक आवश्यकता अनुसार किया जायेगा तथा धनराशि किसी भी दशा में बैंक में पार्किंग हेतु निर्गत नहीं की जायेगी।
2. उपरोक्त प्राविधिक शिक्षण संस्था को किस-किस मद में तथा किस सीमा तक अनुदान देय है, उससे सम्बन्धित निम्नयावली, मान्यता प्रमाण पत्र विगत तीन वर्षों के लाभार्थियों की सूची तथा विवरण भी शासन को उपलब्ध कराने का कष्ट करें
3. आय-व्ययक द्वारा व्यवस्थित उक्त धनराशि में से केवल स्वीकृत चालू योजनाओं पर ही व्यय किया जाए, और किसी भी दशा में उक्त धनराशि का उपयोग नये कार्यों के कार्यान्वयन के लिए नहीं किया जाए।
4. उल्लेखनीय है कि बजट प्राविधान किसी भी लेखाशीर्षक/मद के अन्तर्गत व्यय की अधिकतम सीमा को ही प्राधिकृत करता है। अतः बजट प्राविधान से अधिक किसी भी दशा में न तो व्यय किया जाय और न ही पुनर्विनियोग व अन्य माध्यम से अतिरिक्त बजट की प्रत्याशा में कोई व्ययभार/दायित्व सृजित किया जाय।
5. विभिन्न मदों में व्ययभार/देयता सृजित होने पर यथाशीघ्र धनराशि आहरित कर भुगतान की जायेगी एवं कोई भी भुगतान अनावश्यक लम्बित नहीं रखा जायेगा क्योंकि उससे मासिक आधार पर व्यय की भ्रामक सूचना परिलक्षित होने से अनुपूरक मांग के समय सही निर्णय लेने में कठिनाई होती है।
6. यह व्यक्तिगत रूप से सुनिश्चित कर लिया जाए कि आवश्यकतानुसार आवंटित धनराशि के प्रत्येक बिल में चाहें वो वेतन आदि के सम्बन्ध में हो अथवा आकस्मिक व्यय के सम्बन्ध में सम्पूर्ण मुख्य /लघु/उप तथा विस्तृत शीर्षक को अंकित किया जाए और प्रत्येक बिल में दाहिनी और लाल स्याही से अनुदान संख्या-15 तथा आयोजनेत्तर शब्द स्पष्ट लिखा जाए, अन्यथा महालेखाकार कार्यालय में सही बुकिंग में बाधा होगी।
7. मितव्ययता के सम्बन्ध में नियमों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाए। अवचनबद्ध मदों में व्यय करने से पूर्व यथावश्यकता शासन की सहमति प्राप्त की जाए।

6. कोषाधिकारी, हल्द्वानी, जनपद-नैनीताल, उत्तराखण्ड।
7. वित्त (व्यय नियंत्रण) अनुभाग-3, उत्तराखण्ड शासन।
8. मुख्य विकास अधिकारी, हरिद्वार।
9. जिला समाज कल्याण अधिकारी, हरिद्वार।
10. अध्यक्ष, महिला कला केन्द्र, चन्द्रपुरी, रुड़की जनपद हरिद्वार।
11. समाज कल्याण नियोजन प्रकोष्ठ।
12. निदेशक, एन0आई0सी0 सचिवालय परिसर, देहरादून।
13. गार्ड फाईल।

आज्ञा से,



(बी0 आर0 टम्टा)

अपर सचिव